

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

व्हाट्सऐप डेटा ब्रीच : 3.5 बिलियन फोन नंबर हुए सार्वजनिक, यूजर्स की सुरक्षा पर सवाल

Sanket Morankar

Published on 19 Nov 2025



दुनिया भर में सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप **व्हाट्सऐप** के उपयोगकर्ताओं के लिए बड़ी खबर सामने आई है। हाल ही में यह पता चला है कि **लगभग 3.5 अरब व्हाट्सऐप फोन नंबर सार्वजनिक हो गए हैं**, जिससे यूजर्स की प्राइवेसी और सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं।

व्हाट्सऐप डेटा ब्रीच की यह जानकारी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों और मीडिया रिपोर्टर्स में सामने आई है। लीक हुए डेटा में उपयोगकर्ताओं के फोन नंबर, नाम और प्रोफाइल फोटो जैसी जानकारी शामिल हो सकती है। हालांकि, व्हाट्सऐप का कहना है कि इस डेटा ब्रीच में कोई पासवर्ड या मैसेज नहीं लीक हुआ है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह डेटा ब्रीच **डेटा स्ट्रैपिंग तकनीक** के कारण हुआ। हैकर्स ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध व्हाट्सऐप प्रोफाइल और नंबरों को स्ट्रैप किया और उसे बड़े पैमाने पर बेच दिया।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के डेटा का इस्तेमाल **स्पैम कॉल, मैसेजिंग और फिशिंग अटैक्स** के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, साइबर अपराधी इस डेटा का इस्तेमाल **फेक प्रोफाइल और सोशल इंजीनियरिंग अटैक्स** करने के लिए कर सकते हैं।

व्हाट्सऐप दुनिया भर में **2 बिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं** वाला प्लेटफॉर्म है। डेटा ब्रीच का असर न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। इस मामले में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने यूजर्स को सतर्क रहने की सलाह दी है।

कई सुरक्षा शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि यूजर सावधानी नहीं बरते, तो उनके व्यक्तिगत डेटा का गलत इस्तेमाल हो सकता है। कई देशों में, साइबर क्राइम कानून के तहत इस तरह के डेटा ब्रीच की जांच शुरू कर दी गई है।

विशेषज्ञों के अनुसार, व्हाट्सऐप यूजर्स को निम्न सावधानियां बरतनी चाहिए:

1. दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (Two-step verification) को चालू करें।
2. संदिग्ध कॉल और मैसेज को अनदेखा करें।
3. अपनी प्रोफाइल सेटिंग्स को निजी (Private) मोड में रखें।
4. किसी भी अनजान लिंक या वेबसाइट पर क्लिक करने से बचें।
5. नियमित रूप से अपने फोन और ऐप्स को अपडेट करते रहें।

इन सावधानियों से यूजर अपनी व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं।

व्हाट्सएप ने कहा है कि उन्होंने इस डेटा ब्रीच की जांच शुरू कर दी है और सुरक्षा उपायों को बढ़ाया जा रहा है। कंपनी ने यूजर्स को यह भी याद दिलाया कि वे **सिर्फ भरोसेमंद स्रोतों से ऐप डाउनलोड करें** और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करें।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना एक बार फिर यह दिखाती है कि **साइबर सुरक्षा और प्राइवेसी का महत्व लगातार बढ़ रहा है**, और यूजर्स को हमेशा सतर्क रहना चाहिए।

व्हाट्सएप डेटा ब्रीच ने स्पष्ट कर दिया है कि **बड़ी टेक कंपनियों के प्लेटफॉर्म पर भी व्यक्तिगत डेटा सुरक्षित नहीं है**। उपयोगकर्ताओं को अपनी ऑनलाइन प्राइवेसी की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी।

यह घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है कि **डिजिटल दुनिया में सतर्क रहना और सुरक्षा उपाय अपनाना अब अनिवार्य है**। 3.5 अरब फोन नंबरों का लीक न केवल व्यक्तिगत यूजर्स के लिए खतरा है, बल्कि साइबर अपराधियों के लिए भी यह अवसर बन गया है।

संक्षेप में, 'व्हाट्सएप डेटा ब्रीच' ने यूजर्स को याद दिलाया है कि सुरक्षा और प्राइवेसी के लिए जागरूक रहना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।